RRB RAILWAY TEACHER 2025

- Unlimited Re-Attempt
- 350+ Previous Years' Papers
- Detailed Solutions
- 600+ Mock Test

GET ACCESS FOR

PGT, TGT, PRT, ASSISTANT TEACHER

RRB Teacher General Awareness Questions

Q1. लिग्निन-आधारित बायो-बिटुमेन का उपयोग करके भारत की पहली टिकाऊ सड़क का उद्घाटन कहाँ किया गया?

(a) दिल्ली

(b) नागपुर-मानसर बाईपास

(c) पुणे

(d) मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे

S1. Ans.(b)

Sol. नागपुर-मानसर बाईपास

• केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एनएच-44 पर नागपुर-मानसर बाईपास पर लिग्निन-आधारित बायो-बिटुमेन का उपयोग करके भारत की पहली टिकाऊ सड़क का उद्घाटन किया। यह परियोजना बायो-बिटुमेन का उपयोग करके पर्यावरण के अनुकूल निर्माण पर जोर देती है।

सूचना बूस्टर:

• प्राज इंडस्ट्रीज ने सीएसआईआर-सीआरआरआई, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और ओरिएंटल स्ट्रक्चरल इंजीनियर्स (ओएसई) के सहयोग से इस परियोजना को विकसित किया है।

• बायो-बिटुमेन के उपयोग से आयातित बिटुमेन पर भारत की निर्भरता कम हो जाती है, जिससे देश को प्रतिवर्ष 4,000-4,500 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत होती है।

Q2. गुरुदेव श्री श्री रविशंकर को फिजी का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार कौन सा प्रदान किया गया?

(a) ऑर्डर ऑफ फिजी

(b) नेशनल ऑर्डर ऑफ मेरिट

(c) नेशनल यूनिटी अवार्ड

(d) ऑर्डर ऑफ फिजी के मानद अधिकारी

S2. Ans.(d)

Sol. सही उत्तर (d) फिजी के ऑर्डर के मानद अधिकारी है।

• फिजी के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, फिजी के ऑर्डर के मानद अधिकारी, गुरुदेव श्री श्री रविशंकर को विश्व स्तर पर शांति, सद्भाव और मानवीय प्रयासों को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया।

• आर्ट ऑफ लिविंग (1981) फाउंडेशन के तहत उनकी पहलों का सामाजिक परिवर्तन और वैश्विक एकता पर गहरा प्रभाव पड़ा है।

सूचना बूस्टर:

• ऑर्डर ऑफ फिजी नागरिकों और विदेशियों दोनों के लिए फिजी का सर्वोच्च सम्मान है।

• यह वैश्विक मानवीय योगदान को मान्यता देने की फिजी की पहल का हिस्सा है।

फिजी गणराज्य के बारे में:

• वर्तमान राष्ट्रपति– रातू विलीमे एम. कटोनिवेरे

(नोट- नवंबर 2024 के मध्य में रातू नाइकामा लालबालावु फिजी के नए राष्ट्रपति होंगे)

• प्रधान मंत्री (PM)- सितिवनी राबुका

• राजधानी-सुवा

• मुद्रा-फ़िज़ियाई डॉलर(FJD)

Q3. 2024 में आयोजित होने वाले भारत-इंडोनेशिया संयुक्त विशेष बल अभ्यास का नाम क्या है?

(a) युद्ध अभ्यास

(b) गरुड़ शक्ति

(c) वज्र प्रहार

(d) इंद्र शक्ति

S3. Ans.(b)

Sol.2024 में आयोजित होने वाले भारत-इंडोनेशिया संयुक्त विशेष बल अभ्यास का नाम गरुड़ शक्ति है।

• इस अभ्यास का 9वां संस्करण, गरुड़ शक्ति 24, 1 से 12 नवंबर, 2024 तक इंडोनेशिया के जकार्ता के सिजानतुंग में आयोजित किया गया था।

सूचना बूस्टर:

• प्रतिभागी: भारतीय दल में पैराशूट रेजिमेंट (विशेष बल) के 25 कर्मी शामिल थे, जबकि इंडोनेशियाई दल में इंडोनेशियाई विशेष बल कोपासस के 40 कर्मी शामिल थे।

• उद्देश्य: अभ्यास का उद्देश्य दोनों पक्षों को एक-दूसरे की संचालन प्रक्रियाओं से परिचित कराना, दोनों सेनाओं के विशेष बलों के बीच आपसी समझ, सहयोग और अंतर-संचालन को बढ़ाना था।

• ऐतिहासिक संदर्भ: 2012 में शुरू किया गया, गरुड़ शक्ति एक द्विवार्षिक अभ्यास है जो भारत और इंडोनेशिया के बीच बारी-बारी से होता है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत रक्षा संबंधों को दर्शाता है।

• हालिया घटनाक्रम: 9वां संस्करण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें दोनों टुकड़ियों ने जंगल के इलाकों में संयुक्त विशेष बल संचालन करने और आतंकवादी शिविरों पर हमले करने की अपनी क्षमताओं को बढ़ाया।

Q4. निम्नलिखित में से कौन सी झील भारत में विशाल डेक्कन ट्रैप्स, एक बड़ी बेसाल्टिक चट्टान के भीतर पाई जाती है?

(a) पुलिकट

(b) लोकतक

(c) वुलर

(d) लोनार

S4. Ans.(d)

Sol. महाराष्ट्र में स्थित लोनार झील, डेक्कन ट्रैप्स के भीतर एक बेसाल्टिक चट्टान पर उल्कापिंड के प्रभाव से बनी एक क्रेटर झील है।

सूचना बूस्टर

लोनार झील लगभग 52,000 साल पुरानी है।

यह क्षारीय और खारी प्रकृति की है।

अपनी रासायनिक संरचना के कारण झील अद्वितीय सूक्ष्मजीव जीवन का समर्थन करती है।

लोनार यूनेस्को की विश्व धरोहर की संभावित सूची का हिस्सा है।

इसे 2020 में रामसर साइट घोषित किया गया था।

आसपास का क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है।

अतिरिक्त जानकारी

पुलिकट: आंध्र-तमिलनाडु सीमा पर लैगून।

लोकतक: मणिपुर की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, जो फुमदी के लिए प्रसिद्ध है।

वुलर: जम्मू और कश्मीर की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील।

Q5. शिवसमुद्रम जलप्रपात निम्नलिखित में से किस नदी पर स्थित है?

(a) चंबल

(b) नर्मदा

(c) कावेरी

(d) कृष्णा

S5. Ans.(c)

Sol. सही उत्तर (सी) कावेरी है। शिवसमुद्रम जलप्रपात, जिसे शिवनासमुद्र जलप्रपात के नाम से भी जाना जाता है, भारत के कर्नाटक में कावेरी नदी पर स्थित है। नदी दो शाखाओं में विभाजित होकर जुड़वाँ झरने बनाती है: गगनचुक्की और भारचुक्की। गगनचुक्की की ऊँचाई लगभग 90 मीटर है, जबकि भारचुक्की लगभग 69 मीटर से गिरता है।

अतिरिक्त जानकारी:

चंबल नदी: विंध्य पर्वतमाला से निकलने वाली चंबल नदी मध्य भारत से होकर बहती है और यमुना नदी की सहायक नदी है। यह राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य के लिए जानी जाती है, जो घड़ियाल और गंगा नदी डॉल्फिन जैसी प्रजातियों की रक्षा करती है।

नर्मदा नदी: मध्य भारत से पश्चिम की ओर बहने वाली नर्मदा नदी भारतीय उपमहाद्वीप की प्रमुख नदियों में से एक है। यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच पारंपरिक सीमा बनाती है और भेड़ाघाट में संगमरमर की चट्टानों और धुआँधार जलप्रपात के लिए प्रसिद्ध है।

कृष्णा नदी: भारत की सबसे लंबी नदियों में से एक, कृष्णा नदी दक्कन के पठार से होकर पूर्व की ओर बहती है। यह नागार्जुन सागर बांध सहित कई बांधों और जलाशयों के लिए जानी जाती है, और जिन राज्यों से होकर गुजरती है, वहाँ व्यापक सिंचाई का समर्थन करती है।

Q6. भारत कितने देशों के साथ भूमि सीमा साझा करता है?

(a) छह

(b) सात

(c) आठ

(d) चार

S6. Ans.(b)

Sol.भारत सात देशों के साथ भूमि सीमा साझा करता है, अर्थात् पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और म्यांमार। ये देश विभिन्न भारतीय राज्यों से जुड़ते हैं, जिससे 15,106 किलोमीटर की व्यापक भूमि सीमा बनती है। इसके अतिरिक्त, भारत श्रीलंका और मालदीव के साथ समुद्री सीमा साझा करता है, जो भूमि सीमा गणना का हिस्सा नहीं हैं।

पड़ोसी देशों के साथ सीमावर्ती राज्य:

अफ़गानिस्तान: POK (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) से लगती है। बांग्लादेश: पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम (सबसे लंबी सीमा) से लगती है।

भूटान: अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम और पश्चिम बंगाल से लगती है।

चीन: लद्दाख (जम्मू और कश्मीर), हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश से लगती है।

म्यांमार: अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम की सीमाएँ।

नेपाल: बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम की सीमाएँ।

पाकिस्तान: जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात की सीमाएँ।

सूचना बूस्टर:

भारत-बांग्लादेश सीमा सबसे लंबी है, जो 4,096 किलोमीटर तक फैली हुई है।

भारत-पाक सीमा, या रेडक्लिफ़ रेखा, 3,323 किलोमीटर तक फैली हुई है।

मैकमोहन रेखा अरुणाचल प्रदेश में चीन के साथ भारत की सीमा को परिभाषित करती है।

भारत-म्यांमार सीमा एक्ट ईस्ट नीति के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

श्रीलंका और मालदीव भारत के साथ समुद्री सीमा साझा करते हैं, जो क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देता है।

सीमा विवादों में LAC (भारत-चीन) और LoC (भारत-पाकिस्तान) शामिल हैं।

भारत-नेपाल शांति और मैत्री संधि (1950) दोनों देशों के बीच खुली सीमा आवाजाही को सक्षम बनाती है।

Q7. विनाशकारी बाढ़ लाने के इतिहास के कारण किस नदी को बंगाल का शोक कहा जाता है?

(a) दामोदर

(b) हुगली

(c) तीस्ता

(d) सुवर्णरेखा

S7. Ans.(a)

Sol. सही उत्तर दामोदर है। दामोदर नदी को 'बंगाल का शोक' के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यह नदी भयंकर बाढ़ लाती रही है, खास तौर पर बांधों और जलाशयों के निर्माण से पहले। झारखंड और पश्चिम बंगाल राज्यों से होकर बहने वाली यह नदी अपनी विनाशकारी बाढ़ के लिए कुख्यात थी, जिसने बंगाल क्षेत्र में जीवन, कृषि और बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचाया था।

बार-बार आने वाली बाढ़ से निपटने के लिए 1948 में दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) की स्थापना की गई, जिसके कारण कई बांधों का निर्माण हुआ जो अब बाढ़ के पानी को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे नदी की विनाशकारी क्षमता कम हो जाती है।

बार-बार आने वाली और विनाशकारी बाढ़ के कारण दामोदर नदी को बंगाल का शोक कहा जाता था।

यह झारखंड और पश्चिम बंगाल से होकर बहती है।

दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) का गठन बांधों का निर्माण करके नदी की बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए किया गया था। बांधों के निर्माण के बाद से बाढ़ की तीव्रता कम हो गई है, लेकिन बाढ़ के साथ ऐतिहासिक संबंध अभी भी बना हुआ है। नदी क्षेत्र में सिंचाई, जल विद्युत और औद्योगिक उपयोग के लिए महत्वपूर्ण जल संसाधन प्रदान करती है।

सूचना बूस्टर:

दामोदर नदी: बंगाल में बाढ़ के लिए जानी जाती है, अब डीवीसी के बांध नेटवर्क द्वारा नियंत्रित है।

हुगली नदी: पश्चिम बंगाल में गंगा की एक सहायक नदी, जो वाणिज्य के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन विनाशकारी बाढ़ के लिए नहीं जानी जाती।

तीस्ता नदी: सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होकर बहने वाली एक नदी, कभी-कभी बाढ़ आती है, लेकिन बंगाल के दुख से जुड़ी नहीं है।

सुवर्णरेखा नदी: झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से होकर बहती है, कभी-कभी बाढ़ आती है, लेकिन इसे 'बंगाल का दुख' नहीं कहा जाता।

Q8. भारत में पहली जनगणना किस वर्ष शुरू की गई थी?

(a)1901
(b) 1911
(c) 1921
(d) 1872

S8. Ans.(d)

Sol. भारत में पहली जनगणना 1872 में वायसराय लॉर्ड मेयो के अधीन ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के दौरान शुरू की गई थी। यह एक वर्ष में पूरे देश में समान रूप से नहीं बल्कि कई वर्षों में क्षेत्रीय रूप से आयोजित की गई थी। इस जनगणना ने भारत में व्यवस्थित जनसांख्यिकीय डेटा संग्रह की नींव रखी। पहली समकालिक और व्यापक जनगणना 1881 में आयोजित की गई थी, जिसने एक दशकीय परंपरा की स्थापना की। 1872 की जनगणना ने जनसंख्या के आकार, वितरण और सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करके प्रभावी शासन और योजना बनाने में ब्रिटिश प्रशासन की मदद की।

Q9. भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग का नाम बताइए।

(a) अटल सुरंग
(b) जोजिला सुरंग
(c) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग
(d) जवाहर सुरंग

S9. Ans.(c)

Sol.डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग, जिसे चेनानी-नाशरी सुरंग के नाम से भी जाना जाता है, भारत के जम्मू और कश्मीर में एक सड़क सुरंग है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर निचले हिमालय में स्थित है। इसका निर्माण 2011 में शुरू हुआ और 2017 में पूरा हुआ।

• यह भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग है जिसकी लंबाई 9.028 किमी (5.6 मील) है, और यह पूरी तरह से एकीकृत सुरंग नियंत्रण प्रणाली वाली देश की पहली सुरंग है।

• इसका नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की कैबिनेट में उद्योग और आपूर्ति मंत्री के रूप में कार्य किया और बाद में भारतीय जनसंघ की स्थापना की।

• अटल सुरंग को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा '10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग' के रूप में प्रमाणित किया गया है। अटल सुरंग को 03 अक्टूबर, 2020 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया था।

Q10. 1923 में स्वराज पार्टी की स्थापना किसने की?

(a) महात्मा गांधी

(b) वल्लभभाई पटेल

(c) सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू

(d) बी.आर. अंबेडकर

S10. Ans.(c)

Sol.स्वराज पार्टी की स्थापना 1923 में चित्तरंजन दास (सी.आर. दास) और मोतीलाल नेहरू ने की थी। इसका गठन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा ब्रिटिश शासन के तहत विधान परिषदों के बहिष्कार के निर्णय से असंतोष के जवाब में किया गया था। संस्थापकों का उद्देश्य इन परिषदों के लिए चुनाव लड़ना था ताकि ब्रिटिश शासन को अंदर से बाधित किया जा सके और स्व-शासन (स्वराज) के लिए दबाव डाला जा सके। सी.आर. दास और मोतीलाल नेहरू प्रमुख नेता थे जिन्होंने महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के विपरीत, राजनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संवैधानिक साधनों का उपयोग करने की मांग की।

Q11. "लोकहितवादी" के नाम से किसे जाना जाता था?

(a) गोपाल हरि देशमुख

(b) महादेव गोविंद रानाडे

(c) ज्योतिबा फुले

(d) बाल गंगाधर तिलक

S11. Ans.(a)

Sol. राव बहादुर गोपाल हरि देशमुख, जिन्हें उनके कलम नाम लोकहितवादी से व्यापक रूप से जाना जाता है, महाराष्ट्र से आने वाले एक प्रतिष्ठित भारतीय कार्यकर्ता, विचारक, समाज सुधारक और लेखक थे। 18 फरवरी 1823 को जन्मे, वे मूल रूप से शिधाये परिवार से थे। हालाँकि, 'वतन' अधिकारों के कारण - एक विशेषाधिकार जो कर संग्रह से जुड़ा था - परिवार ने देशमुख उपनाम अपना लिया। महाराष्ट्र में सामाजिक सुधार आंदोलन में उनके योगदान ने क्षेत्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया है। लोकहितवादी की विरासत 9 अक्टूबर 1892 को उनके निधन तक जारी रही।

Q12. भारत की संवैधानिक व्यवस्था में सुधार के लिए 1928 में भारत आए आयोग का नाम बताइए।

(a) रॉलेट एक्ट

(b) पिट्स इंडिया एक्ट

(c) साइमन कमीशन

(d) बंगाल का विभाजन

S12. Ans.(c)

Sol. सही उत्तर है c, साइमन कमीशन।

भारतीय वैधानिक आयोग जिसे साइमन कमीशन भी कहा जाता है, सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में संसद के सात सदस्यों का एक समूह था। यह आयोग 1928 में ब्रिटिश भारत पहुंचा।

सूचना बूस्टर-

रॉलेट एक्ट: 10 मार्च, 1919 को रॉलेट एक्ट पारित किया गया था, जिसमें सरकार को राजद्रोही गतिविधियों से जुड़े किसी भी व्यक्ति को बिना किसी मुकदमे के जेल में बंद करने या कारावास में रखने का अधिकार दिया गया था।

पिट इंडिया एक्ट: पिट इंडिया एक्ट जिसे ईस्ट इंडिया कंपनीज एक्ट के नाम से भी जाना जाता है, 1773 के विनियमन अधिनियम की कमियों को ठीक करने के लिए ब्रिटिश संसद द्वारा 1784 में पारित किया गया था।

बंगाल का विभाजन: बंगाल का पहला विभाजन ब्रिटिश राज के अधिकारियों द्वारा लागू बंगाल प्रेसीडेंसी का एक क्षेत्रीय पुनर्गठन था। 20 जुलाई 1900 को भारत के तत्कालीन वायसराय लॉर्ड कर्जन द्वारा घोषित किया गया और 1 अक्टूबर 1905 को लागू किया गया।

Q13. भारत के किस गवर्नर जनरल ने ओवेन मेरेडिथ के नाम से कविता लिखी थी?

(a) लॉर्ड डलहौजी

(b) लॉर्ड रिपन

(c) लॉर्ड लिटन

(d) लॉर्ड कैनिंग

S13. Ans.(c)

Sol. रॉबर्ट बुल्वर-लिटन एक अंग्रेज़ राजनेता और कवि थे (ओवेन मेरेडिथ के नाम से)। उन्होंने 1876 से 1880 के बीच भारत के वायसराय के रूप में कार्य किया, जिस दौरान रानी विक्टोरिया को भारत की महारानी घोषित किया गया था। जब लिटन पच्चीस वर्ष के थे, तब उन्होंने लंदन में ओवेन मेरेडिथ के नाम से कविताओं का एक संग्रह प्रकाशित किया।

Q14. बोधिसत्व पद्मपाणि की पेंटिंग कहाँ स्थित है?

(a) बाग

(b) एलोरा

(c) अजंता

(d) बादामी

S14. Ans.(c)

Sol. बोधिसत्व पद्मपाणि एक भित्ति चित्र है जो 5वीं शताब्दी के उत्तरार्ध का है। यह भारत के महाराष्ट्र राज्य में अजंता गुफाओं की गुफा 1 में स्थित है। अजंता की गुफाओं को छह शताब्दियों की अवधि में चट्टानों को काटकर बनाया गया था और ये मठवासी विश्राम स्थल और पूजा स्थल के रूप में काम करती थीं। गुफाओं को 200 ईसा पूर्व और 650 ईस्वी के बीच सजाया और उकेरा गया था, जिनमें से अधिकांश कलाकृतियाँ ऐतिहासिक बुद्ध के जीवन से प्रेरित हैं।

बोधिसत्व पद्मपाणि भित्तिचित्र बाद के भित्तिचित्रों में से एक है और इसे उस युग की शैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। भित्तिचित्र यथार्थवाद का एक अभूतपूर्व प्रयास दर्शाता है, जो उस समय भारतीय चित्रकला की विशेषता नहीं थी। पद्मपाणि, अनंत दया के बोधिसत्व अवलोकितेश्वर का दूसरा नाम है। यह पेंटिंग अपनी सुंदरता और शास्त्रीय परिष्कार के लिए जानी जाती है, जो भारत के गुप्त वंश की कलाओं को दर्शाती है।

Q15. निम्नलिखित में से कौन बौद्ध स्तूपों की वास्तुकला से संबंधित है?

(a) गोपुरम

(b) हर्मिका

(c) मंडपम

(d) गर्भगृह

S15. Ans.(b)

Sol. सही उत्तर (बी) हर्मिका है। हर्मिका बौद्ध स्तूप की एक महत्वपूर्ण वास्तुशिल्प विशेषता है। यह स्तूप के शीर्ष पर स्थित चौकोर आकार की रेलिंग या मंच है, जो देवताओं के निवास का प्रतिनिधित्व करता है। हर्मिका अक्सर यस्ती (एक शिखर या स्तंभ) को घेरता है, जो ब्रह्मांड की धुरी का प्रतीक है। बौद्ध स्तूपों का डिज़ाइन गहरा प्रतीकात्मक है, जिसमें स्तूप स्वयं बुद्ध की उपस्थिति और ज्ञानोदय का प्रतिनिधित्व करता है।

हर्मिका स्तूप के गुंबद के ऊपर पाया जाता है, जहाँ से छत्र जैसी संरचना (छत्र) फैली हुई है, जो सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है। स्तूप बौद्ध वास्तुकला के सबसे महत्वपूर्ण और प्राचीन रूपों में से एक है, जो भारत में सम्राट अशोक के समय से है। सूचना बूस्टर: गोपुरम: हिंदू मंदिर के प्रवेश द्वार पर स्मारक टॉवर, जो आमतौर पर दक्षिण भारतीय मंदिरों, विशेष रूप से द्रविड़ वास्तुकला में पाया जाता है। मंडपम: हिंदू मंदिरों में धार्मिक समारोहों के लिए उपयोग किया जाने वाला एक स्तंभित हॉल, जो बौद्ध स्तूपों से संबंधित नहीं है। गर्भगृह: हिंदू मंदिर का सबसे भीतरी गर्भगृह जहाँ देवता की मूर्ति रखी जाती है, यह भी बौद्ध स्तूपों से संबंधित नहीं है।

अतिरिक्त जानकारी:

बौद्ध स्तूप: स्तूप बुद्ध के दफन टीले का प्रतीक है और बौद्ध वास्तुकला का एक प्रमुख तत्व है, जिसमें बुद्ध या अन्य श्रद्धेय भिक्षुओं के अवशेष हैं। छत्र: छत्र जैसी संरचना जो बौद्ध संदर्भ में राजसीपन और गरिमा का प्रतिनिधित्व करती है, जो हरमिका के ऊपर स्थित है। सांची स्तूप: भारत के मध्य प्रदेश में स्थित सबसे पुराने और सबसे प्रसिद्ध बौद्ध स्तूपों में से एक, जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व का है।

RRB RAILWAY TEACHER 2025

- Unlimited Re-Attempt
- 350+ Previous Years' Papers
- Detailed Solutions
- 600+ Mock Test

GET ACCESS FOR

PGT, TGT, PRT, ASSISTANT TEACHER

Q16. डॉ. अंबेडकर ने किस मौलिक अधिकार को संविधान का हृदय और आत्मा बताया है?

(a) समानता का अधिकार

(b) स्वतंत्रता का अधिकार

(c) शोषण के विरुद्ध अधिकार

(d) संविधान उपचार का अधिकार

S16. Ans.(d)

Sol. सही उत्तर है d, संवैधानिक उपचारों का अधिकार। संवैधानिक उपचारों का अधिकार, इस अधिकार को डॉ. अंबेडकर ने 'संविधान का हृदय और आत्मा' बताया है। संविधान का भाग III राज्य या अन्य संस्थाओं द्वारा उनके उल्लंघन के विरुद्ध इन अधिकारों की सुरक्षा के लिए कानूनी उपचार प्रदान करता है। यह भारत के नागरिकों को इन अधिकारों के प्रवर्तन के लिए सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालयों में जाने का अधिकार देता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 में निहित संवैधानिक उपचारों का अधिकार व्यक्तियों को उनके मौलिक अधिकारों के किसी भी उल्लंघन के लिए कानूनी सुरक्षा प्राप्त करने का अधिकार देता है। भारत का कोई भी नागरिक इस अधिकार का उपयोग कर सकता है। यहाँ तक कि भारत में रहने वाले विदेशी नागरिक भी कुछ परिस्थितियों में इस अधिकार का उपयोग कर सकते हैं।

इस अधिकार को राज्य (केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और उनके विभिन्न विभागों और एजेंसियों सहित) के विरुद्ध लागू किया जा सकता है। कुछ मामलों में, इसका उपयोग गैर-राज्य अभिनेताओं, जैसे निजी व्यक्तियों या कंपनियों के विरुद्ध भी किया जा सकता है, जब वे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।

Q17. संविधान के अनुच्छेद 17 और 18 में प्रावधान है कि

(a) आर्थिक समानता

(b) सामाजिक समानता

(c) राजनीतिक समानता

(d) धार्मिक समानता

S17. Ans.(b)

Sol.सही उत्तर (बी) सामाजिक समानता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 और 18 सामाजिक असमानता को बढ़ावा देने वाली भेदभावपूर्ण प्रथाओं और उपाधियों पर रोक लगाकर सामाजिक समानता को बढ़ावा देते हैं।

सूचना बूस्टर:

अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता को समाप्त करता है और किसी भी रूप में इसके अभ्यास को मना करता है। यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्तियों के साथ उनकी जाति या सामाजिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता है।

अनुच्छेद 18 सैन्य या शैक्षणिक विशिष्टताओं को छोड़कर उपाधियाँ प्रदान करने की प्रथा को समाप्त करता है। यह राज्य को ऐसी उपाधियाँ देने से रोकता है जो सामाजिक पदानुक्रम बना सकती हैं, जिससे सभी नागरिकों के बीच समानता सुनिश्चित होती है। अनुच्छेद 17 के तहत अस्पृश्यता को दंडनीय अपराध माना जाता है, जिससे सामाजिक समानता का सख्त प्रवर्तन सुनिश्चित होता है। अनुच्छेद 18 यह सुनिश्चित करता है कि कुलीनता की कोई उपाधि नहीं दी जाती है, जिससे लोकतांत्रिक सिद्धांत की रक्षा होती है कि कानून के समक्ष सभी नागरिक समान हैं।

Q18.भारतीय संसद ने विश्व संसदीय प्रणालियों में कौन सी नवीन चर्चा प्रक्रिया प्रस्तुत की है?

(a) प्रश्नकाल

(b) शून्यकाल

(c) प्रस्ताव

(d) अध्यक्षीय भाषण

S18. Ans.(b)

Sol. सही उत्तर (b) शून्यकाल है।

शून्यकाल भारतीय संसद द्वारा शुरू की गई एक अभिनव चर्चा प्रक्रिया है। यह प्रश्नकाल के तुरंत बाद के समय को संदर्भित करता है, जिसके दौरान संसद सदस्य (एमपी) बिना किसी पूर्व सूचना के तत्काल सार्वजनिक महत्व के मामलों को उठा सकते हैं। यह प्रथा भारतीय संसदीय प्रणाली के लिए अद्वितीय है और सांसदों को तत्काल चर्चा की आवश्यकता वाले महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करने की अनुमति देती है।

संसदीय नियमों में शून्यकाल का औपचारिक रूप से उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन यह भारतीय संसद के कामकाज की एक अनिवार्य विशेषता बन गई है।

यह दोपहर 12 बजे के आसपास शुरू होता है, इसलिए इसका नाम शून्यकाल है;

यह सांसदों को अचानक उठने वाले और राष्ट्रीय महत्व के मामलों को संबोधित करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है।

सूचना बूस्टर:

प्रश्नकाल: संसद की बैठक का पहला घंटा, जिसमें सांसद विभिन्न सरकारी नीतियों और मुद्दों के बारे में मंत्रियों से प्रश्न पूछ सकते हैं।

संकल्प: विभिन्न मामलों पर विधायी निकाय द्वारा अपनाए गए औपचारिक प्रस्ताव या निर्णय।

अध्यक्षीय भाषण: संसद के वर्ष के पहले सत्र की शुरुआत में भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिया गया भाषण, जिसमें सरकार के एजेंडे की रूपरेखा बताई जाती है।

अतिरिक्त जानकारी:

शून्यकाल का महत्व: शून्यकाल सांसदों के लिए बिना किसी पूर्व सूचना के अपनी चिंताओं को व्यक्त करने का एक अनिवार्य साधन बन गया है, जिससे कार्यपालिका की विधायिका के प्रति जवाबदेही बढ़ गई है।

उत्पत्ति: शून्यकाल की शुरुआत 1960 के दशक की शुरुआत में हुई थी और धीरे-धीरे यह संसदीय कार्यवाही का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया।

संसदीय लचीलापन: शून्यकाल अन्य औपचारिक संसदीय प्रक्रियाओं की तुलना में एक गतिशील दृष्टिकोण प्रदान करता है, जो इसे वास्तविक समय की चर्चाओं के लिए एक लचीला साधन बनाता है।

Q19. भारत का सर्वोच्च न्यायालय कानूनी, सार्वजनिक या संवैधानिक महत्व के मामलों पर राष्ट्रपति को सलाह देता है।

(a) अनुच्छेद-148

(b) अनुच्छेद-129

(c) अनुच्छेद-147

(d) अनुच्छेद-143

S19. Ans.(d)

Sol. सही उत्तर है (d) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 143।

अनुच्छेद 143 भारत के राष्ट्रपति को कानून या सार्वजनिक महत्व के मामलों पर सर्वोच्च न्यायालय से सलाहकार राय लेने का अधिकार देता है। राष्ट्रपति किसी भी कानूनी या तथ्यात्मक प्रश्न का उल्लेख कर सकते हैं जो उत्पन्न हुआ है या उत्पन्न होने की संभावना है, और सर्वोच्च न्यायालय एक राय प्रदान करता है, हालांकि यह गैर-बाध्यकारी है।

अनुच्छेद 143 महत्वपूर्ण संवैधानिक मुद्दों पर स्पष्टीकरण की सुविधा प्रदान करता है और राष्ट्रपति को अदालत में वास्तविक मामले के उठने का इंतज़ार किए बिना निर्णय लेने में मदद करता है।

यह प्रावधान न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच शक्ति का संतुलन बनाए रखता है, जिससे पूर्ण मुकदमेबाजी के बिना कानूनी मार्गदर्शन की अनुमति मिलती है।

ऐतिहासिक रूप से, इसका इस्तेमाल बेरुबारी संघ मामले और बाबरी मस्जिद विवाद जैसे महत्वपूर्ण मामलों में किया गया है।

अनुच्छेद 143 कार्यपालिका को संवैधानिक व्याख्या, सार्वजनिक महत्व या राज्यों और संघ के बीच विवाद जैसे क्षेत्रों में मुद्दों को संबोधित करने में सक्षम बनाता है।

जबकि सुप्रीम कोर्ट की राय सलाहकार है, कानूनी स्पष्टता और शासन दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अधिकांश मामलों में इसका बहुत सम्मान किया जाता है और इसका पालन किया जाता है।

सूचना बूस्टर:

अनुच्छेद 72: राष्ट्रपति को मृत्युदंड सहित कुछ मामलों में क्षमा, विलंब, राहत या दंड में छूट देने की शक्ति देता है।

अनुच्छेद 123: राष्ट्रपति को संसद के सत्र में न होने पर अध्यादेश जारी करने की अनुमति देता है, जिससे कार्यपालिका को अस्थायी विधायी शक्ति मिलती है।

अनुच्छेद 74: यह निर्धारित करता है कि राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद की सलाह के आधार पर कार्य करना चाहिए, यह सुनिश्चित करते हुए कि कार्यकारी कार्रवाई सरकार की नीति के अनुरूप हो।

अनुच्छेद 53: राष्ट्रपति को भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (CAG) की नियुक्ति और भूमिका के रूप में नामित करता है।

अनुच्छेद 129: सर्वोच्च न्यायालय को अभिलेख न्यायालय घोषित करता है, जिसमें न्यायालय की अवमानना के लिए दंडित करने की शक्ति है।

अनुच्छेद 147: संविधान की व्याख्या के लिए परिभाषाएँ प्रदान करता है, विशेष रूप से कानूनी शब्द और कानून सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर

Q20. भारतीय संविधान के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन सा मौलिक अधिकार भारत के गैर-नागरिकों को उपलब्ध नहीं है?

(a) समानता का अधिकार

(b) भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार

(c) जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा

(d) कुछ मामलों में गिरफ्तारी और नजरबंदी से सुरक्षा

S20. Ans.(b)

Sol. अनुच्छेद 15, 16, 19, 29 और 30 द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकार केवल भारत के नागरिकों के लिए उपलब्ध हैं।

अनुच्छेद 15 – नस्ल, धर्म, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध अनुच्छेद 16 – सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता अनुच्छेद 19 – स्वतंत्रता के संबंध में छह अधिकारों का संरक्षण:

भाषण और अभिव्यक्ति

विधानसभा

संघ

आंदोलन

निवास

पेशा

अनुच्छेद 29 – अल्पसंख्यकों की भाषा, लिपि और संस्कृति का संरक्षण

अनुच्छेद 30 - अल्पसंख्यकों को शैक्षणिक संस्थान स्थापित करने और उनका प्रशासन करने का अधिकार।

अनुच्छेद 14, 20, 21, 21ए, 22, 23, 24, 25, 26, 27 और 28 द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकार सभी व्यक्तियों को उपलब्ध हैं, चाहे वे नागरिक हों या विदेशी।

Q21. भारत की स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना में शामिल होता है?

(a) दिल्ली-मुंबई-चेन्नई-कोलकाता।

(b) दिल्ली-झांसी-बेंगलुरु-कश्मीर।

(c) श्रीनगर-दिल्ली-कानपुर-कोलकाता

(d) पोरबंदर-बेंगलुरु-कोलकाता-कानपुर।

S21. Ans.(a)

Sol. स्वर्णिम चतुर्भुज (GQ) एक राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क है जो भारत के चार प्रमुख शहरों: दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई को जोड़ता है। GQ भारत की सबसे बड़ी राजमार्ग परियोजना है और दुनिया का पाँचवाँ सबसे लंबा राजमार्ग है

Q22.1980 में भारत में कितने बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया?

(a) 4
(b) 6
(c) 14
(d) 20

S22. Ans.(b)

Sol. 1980 में, भारत सरकार ने छह वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया:

- विजया बैंक लिमिटेड
- पंजाब और सिंध बैंक लिमिटेड
- ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स लिमिटेड
- न्यू बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड
- कॉर्पोरेशन बैंक लिमिटेड
- आंध्रा बैंक लिमिटेड

Q23. RBI के विदेशी मुद्रा भंडार (FER) में निम्नलिखित में से कौन शामिल है?

1. विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियाँ (FCA)

2. सोना

3. विशेष आहरण अधिकार (SDR)

4. रिजर्व ट्रैंच स्थिति

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके सही उत्तर चुनें।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1, 2 और 3

(d) उपरोक्त सभी

S23. Ans.(d)

Sol. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा भंडार (एफईआर) में सभी सूचीबद्ध घटक शामिल हैं:

विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए): विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भारत की एफईआर का सबसे बड़ा घटक हैं।

इनमें आरबीआई द्वारा अन्य केंद्रीय बैंकों के पास जमा के रूप में रखी गई विदेशी मुद्राएं और ट्रेजरी बिल, सरकारी बॉन्ड आदि जैसी विदेशी प्रतिभूतियां शामिल हैं। सोना: आरबीआई अपने एफईआर के हिस्से के रूप में सोने की एक महत्वपूर्ण मात्रा रखता है। सोने को एक सुरक्षित और तरल संपत्ति माना जाता है, और यह मुद्रा में उतार-चढ़ाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के खिलाफ बचाव के रूप में कार्य करता है।

विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर): एसडीआर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा निर्मित अंतर्राष्ट्रीय आरक्षित परिसंपत्तियाँ हैं। इन्हें आईएमएफ में उनके कोटे के अनुपात में सदस्य देशों को आवंटित किया जाता है। एसडीआर का स्वतंत्र रूप से उपयोग की जाने वाली मुद्राओं के लिए आदान-प्रदान किया जा सकता है और यह विदेशी मुद्रा भंडार के पूरक स्रोत के रूप में काम करता है। रिजर्व ट्रैन्च स्थिति: रिजर्व ट्रैन्च स्थिति उन आरक्षित परिसंपत्तियों का प्रतिनिधित्व करती है जिन्हें कोई सदस्य देश आईएमएफ से निकाल सकता है। इसकी गणना किसी देश को सौंपे गए कोटे और उस देश की मुद्रा में आईएमएफ की होल्डिंग के बीच के अंतर के रूप में की जाती है।

Q24. वनों की कटाई का मुख्य पर्यावरणीय प्रभाव क्या है?

(a) कृषि उत्पादन में वृद्धि

(b) जैव विविधता का नुकसान

(c) वायु की गुणवत्ता में सुधार

(d) मिट्टी में जल प्रतिधारण में वृद्धि

S24. Ans.(b)

Sol. सही उत्तर है (बी) जैव विविधता का नुकसान।

• वनों की कटाई से प्राकृतिक आवासों का विनाश होता है, जो विभिन्न प्रकार के पौधों और जानवरों की प्रजातियों का घर हैं। आवास का यह नुकसान जैव विविधता में गिरावट का एक प्रमुख कारण है।

• कई प्रजातियाँ जो वन पारिस्थितिकी तंत्रों के लिए स्थानिक हैं, जब उनके आवास नष्ट हो जाते हैं या खंडित हो जाते हैं, तो वे जीवित नहीं रह पाती हैं, जिससे वे विलुप्त हो जाती हैं।

• प्रजातियों के नुकसान के अलावा, वनों की कटाई जल विनियमन, कार्बन भंडारण और मृदा संरक्षण जैसी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं को भी बाधित करती है।

सूचना बूस्टर:

मृदा अपरदन:

• वनों की कटाई से मृदा अपरदन का खतरा बढ़ जाता है, क्योंकि पेड़ की जड़ें जो मिट्टी को अपनी जगह पर बनाए रखने में मदद करती हैं, हटा दी जाती हैं। इससे उपजाऊ ऊपरी मिट्टी का नुकसान हो सकता है और कृषि उत्पादकता कम हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन:

• वन कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं, जो वायुमंडल से CO_2 को अवशोषित करते हैं। वनों की कटाई से यह संग्रहीत कार्बन वायुमंडल में वापस चला जाता है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग में योगदान होता है।

वनों की कटाई:

• वनों की कटाई में पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने, कार्बन को अलग करने और जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए वनों की कटाई वाले क्षेत्रों में पेड़ लगाना शामिल है।

Q25. निम्नलिखित में से कौन सा मानव-जनित वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दा जैव विविधता के लिए सबसे बड़ा खतरा है?

(a) वायु प्रदूषण

(b) जलवायु परिवर्तन

(c) जल प्रदूषण

(d) भूमि उपयोग परिवर्तन

S25. Ans.(b)

Sol. जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दा है जो मानवीय गतिविधियों, विशेष रूप से परिवहन, उद्योग और कृषि जैसे स्रोतों से वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के कारण होता है। जलवायु परिवर्तन का पारिस्थितिकी तंत्र, मानव स्वास्थ्य और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है, जिसमें अधिक लगातार और गंभीर प्राकृतिक आपदाएँ, समुद्र का बढ़ता स्तर और भोजन और पानी की कमी शामिल है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना, ऊर्जा दक्षता में सुधार करना और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और नीति उपायों के माध्यम से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना महत्वपूर्ण है।

Q26.मुक्केबाजी में TKO क्या है?

(a) तकनीकी नॉक आउट

(b) टाइम किक आउट

(c) तकनीकी ज्ञान

(d) टीथ नॉक आउट

S26. Ans.(a)

Sol. सही उत्तर (a) टेक्निकल नॉक आउट है।

मुक्केबाजी में, तकनीकी नॉक आउट (TKO) तब होता है जब रेफरी, रिंगसाइड डॉक्टर या फाइटर का कॉर्नर यह निर्णय लेता है कि चोट, खुद का बचाव करने में असमर्थता या मैच जारी रखने से उनकी सुरक्षा को गंभीर खतरा होने के कारण मुक्केबाज अब लड़ाई जारी रखने के लिए फिट नहीं है। निर्धारित राउंड की संख्या पूरी होने से पहले ही मुकाबला रोक दिया जाता है और प्रतिद्वंद्वी को विजेता घोषित कर दिया जाता है। TKO एक नियमित नॉकआउट (KO) से अलग है, जिसमें फाइटर बेहोश हो जाता है या नीचे गिरने के बाद उठने में असमर्थ हो जाता है। यह आमतौर पर तब होता है जब रेफरी देखता है कि एक फाइटर बहुत अधिक नुकसान उठा रहा है और खुद का ठीक से बचाव करने में असमर्थ है।

मुक्केबाजी, मिश्रित मार्शल आर्ट (एमएमए) और अन्य लड़ाकू खेलों में टीकेओ आम बात है।

सूचना बूस्टर:

नॉक आउट (केओ): यह तब होता है जब एक फाइटर को नीचे गिरा दिया जाता है और रेफरी की 10 की गिनती के भीतर अपने पैरों पर वापस आने में असमर्थ होता है।

रिंग डॉक्टर: एक चिकित्सा पेशेवर जो लड़ाई को रोक सकता है यदि वे घायल फाइटर के लिए इसे जारी रखना असुरक्षित मानते हैं।

रेफरी की भूमिका: रेफरी फाइटर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है और जरूरत पड़ने पर मैच को रोकने का अधिकार रखता है।

अतिरिक्त जानकारी:

स्टैंडिंग आठ काउंट: कुछ मुक्केबाजी मैचों में, रेफरी ऐसे फाइटर को स्टैंडिंग आठ काउंट दे सकता है जो अभी भी अपने पैरों पर खड़ा है लेकिन कड़ी सजा भुगत रहा है। इससे रेफरी को फाइटर की स्थिति का आकलन करने का समय मिल जाता है।

कोने में रोक: अगर किसी मुक्केबाज के कोच या कॉर्नर को लगता है कि उसके फाइटर को गंभीर चोट लगने का खतरा है, तो वह लड़ाई को रोकने के लिए तौलिया फेंक सकता है।

बॉक्सिंग के एकीकृत नियम: TKO या KO के लिए लड़ाई को कब रोका जाना चाहिए, यह तय करने वाले नियम दुनिया भर के मुक्केबाजी आयोगों के नियमों का हिस्सा हैं।

Q27. पॉमेल हॉर्स, रोमन रिंग्स, वॉल्टिंग टेबल कुछ शब्द हैं जो _____ से संबंधित हैं।

(a) तैराकी

(b) घुड़सवारी

(c) जिम्नास्टिक

(d) पोलो

S27. Ans.(c)

Sol. उत्तर है (सी) जिमनास्टिक।

पॉमेल हॉर्स, रोमन रिंग्स और वॉल्टिंग टेबल सभी जिमनास्टिक में इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण हैं। पॉमेल हॉर्स एक गद्देदार आयताकार या बेलनाकार आकार होता है जिसके ऊपर दो पॉमेल होते हैं, जिसका उपयोग झूलने और संतुलन बनाने के लिए किया जाता है। रोमन रिंग्स दो लटकी हुई रिंग्स होती हैं जिनका उपयोग झूलने, लटकने और कलाबाजी के लिए किया जाता है। वॉल्टिंग टेबल एक सपाट, बड़ी और गद्देदार सतह होती है जिसका उपयोग वॉल्टिंग के लिए किया जाता है। इन उपकरणों का उपयोग किसी अन्य खेल में नहीं किया जाता है, इसलिए उत्तर है (सी)।

Q28. 5 दिसंबर, 2024 को इसरो द्वारा लॉन्च किए जाने वाले यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) मिशन का नाम क्या है?

(a) प्रोबा-1

(b) प्रोबा-3

(c) चंद्रयान-1

(d) आदित्य-एल1

S28. Ans.(b)

Sol. सही उत्तर: (बी) प्रोबा-3

• 5 दिसंबर, 2024 को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के प्रोबा-3 मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

• इस मिशन में दो उपग्रह शामिल हैं, जिन्हें कृत्रिम सौर ग्रहण बनाने के लिए उच्च परिशुद्धता वाली उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे सूर्य के कोरोना का विस्तृत अध्ययन संभव हो सकेगा।

• यह प्रक्षेपण भारत के श्रीहरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-एक्सएल) का उपयोग करके किया गया था।

अतिरिक्त जानकारी:

• प्रोबा-1: 2001 में लॉन्च किया गया, प्रोबा-1 एक ईएसए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन उपग्रह है जो पृथ्वी अवलोकन डेटा प्रदान करना जारी रखता है।

• चंद्रयान-1: भारत का पहला चंद्र जांच, जिसे इसरो ने 2008 में लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा पर पानी के अणुओं की उपस्थिति सहित महत्वपूर्ण खोज की थी।

• आदित्य-एल1: सूर्य, विशेष रूप से सौर कोरोना का अध्ययन करने के उद्देश्य से इसरो का एक आगामी मिशन, जिसे निकट भविष्य में प्रक्षेपित किये जाने की उम्मीद है।

Q29. उत्तर-पश्चिम भारत में पठानों ने खुदाई खिदमतगारों का संगठन बनाया, जिसे लोकप्रिय रूप से लाल शर्ट के नाम से जाना जाता था, जिसके नेतृत्व में।

(a) मुहम्मद अली

(b) एम.ए. अंसार

(c) खान अब्दुल गफ्फार खान

(d) हसरत मोहानी

S29. Ans.(c)

Sol. सही उत्तर है (c) खान अब्दुल गफ्फार खान

• लाल शर्ट के नाम से मशहूर खुदाई खिदमतगार, खान अब्दुल गफ्फार खान के नेतृत्व में उत्तर-पश्चिम भारत में संगठित किए गए थे।

• फ्रंटियर गांधी के नाम से मशहूर खान अब्दुल गफ्फार खान ने 1929 में खुदाई खिदमतगार की स्थापना की थी। इस अहिंसक आंदोलन का उद्देश्य सामाजिक न्याय को बढ़ावा देना, ब्रिटिश उपनिवेशवाद के खिलाफ लड़ना और उत्तर-पश्चिम भारत में पश्तून लोगों के जीवन को बेहतर बनाना था।

• महात्मा गांधी के साथ उनकी समान विचारधाराओं और घनिष्ठ मित्रता के कारण, खान को उनके करीबी सहयोगी अमीर चंद बोमवाल ने सरहदी गांधी का उपनाम दिया था।

• आंदोलन के सदस्य लाल शर्ट पहनते थे, इसलिए उनका लोकप्रिय नाम पड़ा।

• अली ब्रदर्स (मौलाना मोहम्मद अली और मौलाना शौकत अली), मौलाना आज़ाद, हकीम अजमल खान और हसरत मोहानी खिलाफत आंदोलन के नेता थे।

Q30. शेरशाह सूरी ने पराजित कर द्वितीय अफगान साम्राज्य की स्थापना की -

(a) इब्राहिम लोदी

(b) बख्तियार खिलजी

(c) राणा सांगा

(d) हुमायूँ

S30. Ans.(d)

Sol.शेर शाह सूरी ने चौसा की लड़ाई (1539) और कन्नौज की लड़ाई (1540) में हुमायूं को हराकर दूसरा अफगान साम्राज्य स्थापित किया। इन जीतों के परिणामस्वरूप मुगल साम्राज्य का अस्थायी पतन हुआ और शेर शाह सूरी के शासन का उदय हुआ, जिसे प्रशासनिक और सैन्य सुधारों के लिए याद किया जाता है।

सूचना बूस्टर:

चौसा में शेरशाह की जीत ने उसे बंगाल और बिहार पर नियंत्रण दिलाया।

कन्नौज की लड़ाई में हुमायूँ की निर्णायक हार हुई और वह फारस भाग गया। शेरशाह के साम्राज्य में उत्तरी और मध्य भारत का अधिकांश हिस्सा शामिल था। उनकी सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में ग्रैंड ट्रंक रोड का निर्माण, एक कुशल राजस्व प्रणाली की शुरुआत और आधुनिक भारतीय मुद्रा के अग्रदूत रुपिया का जारी होना शामिल है। उन्होंने 1540 से 1545 तक शासन किया और बाद में मुगलों द्वारा अपनाए गए प्रशासनिक सुधारों की नींव रखी। 1545 में कालिंजर किले की घेराबंदी के दौरान उनकी असामयिक मृत्यु ने उनके संक्षिप्त लेकिन प्रभावशाली शासन को समाप्त कर दिया।

अतिरिक्त जानकारी :

- (a) इब्राहिम लोदी: पानीपत की पहली लड़ाई (1526) में बाबर से पराजित, मुगल शासन की शुरुआत।
- (b) बख्तियार खिलजी: 12वीं शताब्दी में बंगाल पर विजय प्राप्त करने के लिए जाना जाता है, लेकिन शेरशाह से संबंधित नहीं है।
- (c) राणा सांगा: खानवा के युद्ध (1527) में बाबर से पराजित।

RRB RAILWAY TEACHER 2025

- Unlimited Re-Attempt
- 350+ Previous Years' Papers
- Detailed Solutions
- 600+ Mock Test

GET ACCESS FOR

PGT, TGT, PRT, ASSISTANT TEACHER